

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
श्री सदाशिव परिसर, पुरी, ओडिशा

दिनांक- 27.07.2021

प्रवेश सूचना – २०२१

प्राक्षास्त्री प्रथम वर्ष हेतु अंता

- प्राक्षास्त्री प्रवेश परीक्षा में छात्र 10वीं पूर्वमध्यमा या समकक्ष कक्षा किसी भी राज्य सरकार अथवा विधि द्वारा स्थापित बोर्ड संस्था से गन्यता प्राप्त परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।
- प्राक्षास्त्री में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु 15 वर्ष होनी चाहिए
- छात्र को देवनागरी लिपि का ज्ञान होना आवश्यक है।

प्राक्षास्त्री प्रथम वर्ष की प्रवेश परीक्षा के लिए सामान्य छात्रों के लिए पाठ्यक्रम –

- ✓ मात्रा/वर्गाक्षर/अनुनासिक/अनुस्वार/विसर्ग/रेफ/संयुक्ताक्षर/शब्द/वर्तमान/भूत/भविष्य/कर्तृवाच्य/कर्मवाच्य/संख्या/सर्वनाम/श्लोकं शापूर्ति/संस्कृत ग्रन्थकार/ग्रन्थों के नाम/संस्कृतसंस्था/शुद्ध वाक्य विचार/अव्यय/उपसर्ग

परम्परकगत छात्रों के लिए पाठ्यक्रम

- ✓ सन्धि/समास/लिंग/काँट/विभक्ति/आत्मनेपद/परस्मैपद/प्रत्यय/तद्वित/कृदन्त
- ✓ प्रसिद्ध श्लोकांशापूर्ति

(1)

- ✓ विभिन्न संस्थाओं का ध्येयवाक्य
- ✓ कवि- श्रेष्ठ ग्रन्थकार
- ✓ ग्रन्थ संबंधी
- ✓ धातु/लट्ट, लौट, लुट, लिइँ
- ✓ उच्चारण स्थान- दीर्घ, हस्त
- ✓ माहेश्वर सूत्र
- ✓ शुद्ध वाक्य विचार
- ✓ वाक्य परिवर्तन

सामान्य ज्ञान आधुनिक/परम्परागत छात्रों के लिए

- ✓ समसामयिक घटना
- ✓ क्रीड़ा
- ✓ संस्कृत वाङ्मय
- ✓ संस्कृत पुरस्कार
- ✓ राजधानी संबंधी प्रश्न-राष्ट्रेय
- ✓ राजधानी संबंधी प्रश्न-अ तराष्ट्रिय
- ✓ संस्था अध्यक्षों का नाम
- ✓ नागरिक अधिकार संबंधी प्रश्न
- ✓ सयुक्त राष्ट्र संघ संबंधी प्रश्न
- ✓ महापुरुष संबंधी प्रश्न
- ✓ इतिहास संबंधी प्रश्न
- ✓ नदी, पर्वत संबंधी प्रश्न

अभिसूचि आधुनिक/परम्परागत छात्रों के लिए

- ✓ भाषा अभिसूचि परीक्षण
- ✓ संस्कृत संबंधी अभिसूचि परीक्षण
- ✓ संस्कृत की उपयोगिता
- ✓ संस्कृत की विशेषता
- ✓ शास्त्र संरक्षण के उपाय
- ✓ शास्त्र अभिसूचि का मूल्यांकन
- ✓ भारत में संस्कृत की योजनायें

(2)

- 
- ✓ संस्कृत आयोग संबंधी प्रश्न
 - ✓ सूचना प्रौद्योगिकी और संस्कृत
 - ✓ संस्कृत अध्ययन अभियासि
 - ✓ संस्कृत पत्र-पत्रिका संबंधी
 - ✓ संस्कृत मनीषी रांबंधी प्रश्न
 - ✓ संस्कृत अध्ययन-अध्यापन के उद्देश्य

- विशेष:-
- (1) ● परमारगत धारा के अन्तर्गत- पूर्वमध्यमा/उत्तरमध्यमा/प्राकृशास्त्री
 - आधुनिक धारा के अन्तर्गत- 10वीं अथवा 12वीं
 - (2) परमपरागत धारा से 80 प्रतिशत प्रवेश
 - (3) आधुनिक धारा से 20 प्रतिशत

1/1/2021

Shivam Patel